सत्यमेव जयते

राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय
भारत सरकार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
प्रथम छमाही बैठक 2025-26

18 जून, 2025 (बुधवार)

राजभाषा

प्रतिवेदन

प्रतिवेदन

प्रस्तावना

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के तारतम्य में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर की वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक प्रो. नीलिमा गुप्ता, माननीया कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में दिनांक 18 जून, 2025 (बुधवार) को पूर्वाह्न 11:00 बजे विश्वविद्यालय के रंगनाथन सभागार में आयोजित हुई। उक्त बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम नराकास, सागर के सदस्य-सचिव तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने नराकास, सागर की अध्यक्ष

एवं विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा एवं नराकास, सागर के सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया। तदुपरांत बिंदुवार चर्चा हेतु कार्यसूची समिति के समक्ष प्रस्तुत की।

बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास, सागर की अध्यक्ष एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण हेतु स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है। हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे यह उतनी ही सफल होगी। राजभाषा की समृद्धि कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिन्दी में ही हो। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सदस्य कार्यालयों द्वारा समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। माननीया अध्यक्ष महोदया का आभार व्यक्त करते हुए श्री मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वी नेतृत्व में नराकास, सागर निःसंदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी।

इस अवसर पर नराकास के सदस्य-सचिव एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारी जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/

उपक्रमों का दायित्व है। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए श्री सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया।

ध्यातव्य है कि नगर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु एक साझा मंच के रूप में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। उक्त क्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता का दायित्व हाल ही में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को सौंपा गया है।

बैठक का ब्योरा एवं कार्यवृत्त

वंदन, अभिनंदन एवं परिचय

1. शुभारंभ एवं माल्यार्पण

बैठक का शुभारंभ समिति की माननीया अध्यक्ष महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा एवं समिति के सदस्य-सचिव श्री संतोष सोहगौरा द्वारा माँ सरस्वती एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया।

2. माननीया अध्यक्ष एवं कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता का स्वागत।

सदस्य-सचिव श्री सोहगौरा ने समिति को बताया कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को नराकास, सागर की अध्यक्षता का दायित्व सौंपा गया है। माननीया कुलपति की अध्यक्षता में यह समिति की प्रथम बैठक है।

समिति के सदस्य–सचिव, श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं समस्त सदस्य कार्यालयों के प्रमुख व प्रतिनिधियों ने नराकास, सागर की बैठक में माननीया कुलपति महोदया का आदर सहित अभिनंदन किया।

3. विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) का स्वागत।

नराकास, सागर की ओर से समिति के सम्मानित सदस्य एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के प्राचार्य श्री आर.एस वर्मा द्वारा श्री मेहरा जी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

सम्माननीय सदस्य कार्यालयाध्यक्षों का स्वागत एवं परिचय।

सदस्य-सचिव श्री सोहगौरा ने समिति के समस्त–सदस्यों का स्वागत करते हुए सर्वप्रथम माननीया अध्यक्ष महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा का परिचय समिति के समक्ष रखा। तदुपरांत बेहतर समन्वय हेतु सभी कार्यालयाध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों का परिचय प्राप्त किया गया। सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों ने राजभाषा कार्यान्वयन हेतु किए गए नवाचारों एवं अपने कार्यालय की उपलब्धियों से भी सदन का अवगत कराया।

माननीय अध्यक्ष महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा ने सदस्य कार्यालयों की सराहना की। उन्होंने समिति के सम्मानित सदस्य क्षेत्रीय भविष्य निधि कार्यालय, सागर के आयुक्त श्री चेतन यादव एवं राजभाषा अधिकारी श्री रामकिंकर सोनी जी को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'क' क्षेत्र में राजभाषा में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन हेतु तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा एवं विचार-विमर्श

5. राजभाषा लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन

बैठक के दौरान राजभाषा विभाग, भारत सरकार के हीरक जयंती वर्ष पर राजभाषा की विकास यात्रा पर केन्द्रित लघु वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया। समिति के सदस्यों ने पूर्ण तन्मयता के साथ वृत्तचित्र का अवलोकन किया। सदस्य-सचिव ने समिति को बताया कि उक्त वृत्तचित्र का निर्माण राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्‌वारा किया गया है।

6. सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा।

माननीया अध्यक्ष महोदया की अनुमति से समिति के सदस्य-सचिव संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों द्‌वारा प्रेषित राजभाषा की गत छमाही (01 अक्टूबर 2024 से 31 मार्च, 2015 तक) की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। समीक्षा के मुख्य आधार हिंदी पत्राचार की स्थिति, राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन,

राजभाषा नियम 05 का अनुपालन, हिन्दी में मूल पत्राचार का प्रतिशत, हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन, राजभाषा पत्रिका का प्रकाशन एवं हिन्दी दिवस/पखवाड़े का आयोजन रहा। उन्होंने बताया कि कुल 28 सदस्य कार्यालयों ने निर्धारित समयावधि में अपनी छमाही प्रगति रिपोर्ट सचिवालय को प्रेषित की है। उन्होंने शेष कार्यालयों से अनुरोध किया कि वे भी प्राथमिकता के आधार पर अपनी छमाही प्रगति रिपोर्ट प्रेषित करने का कष्ट करें। समीक्षा के दौरान उन्होंने रिपोर्ट के आंकड़ों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता हेतु आवश्यक कदम उठाए जाने का निवेदन किया साथ ही राजभाषा कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

सदस्य कार्यालयों द्वारा इंगित बिंदुओं पर यथाशीघ्र कार्यवाही सुनिश्चत करने पर सहमति व्यक्त की।

7. राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने समिति सदस्यों को संघ का राजकीय कार्य हिन्दी में करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वर्ष 2025-26 के वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों से अवगत कराया तथा उनके अनुपालन हेतु समुचित प्रयास किए जाने का अनुरोध किया।

सदस्य कार्यालयों द्वारा उक्त पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की।

8. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अनुपालन की स्थिति पर चर्चा।

समिति के सदस्य-सचिव ने बताया कि राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अनुसार निम्नलिखित दस्तावेजों को अनिवार्यत: द्विभाषी में जारी किया जाना है -

1. संकल्प, 2. सामान्य आदेश, 3. नियम, 4. अधिसूचनाएं, 5. प्रशासनिक व अन्य प्रतिवेदन, 6. परिपत्र, 7. प्रेस विज्ञप्तियां, 8. संविदा, 9. करार, 10. निविदा सूचना एवं निविदा प्रारूप, 11. ज्ञापन, 12. अनुज्ञप्तियां 13. अनुज्ञा पत्र, 14. नीति संबंधी दस्तावेज।

समस्त सदस्यों ने उक्त नियम का अनुपालन गंभीरता के करने का आश्वासन दिया।

9. सदस्य कार्यालयों में हिन्दी पदों की स्थिति पर चर्चा।

समिति के सदस्य-सचिव ने बताया कि कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु राजभाषा विभाग के मानकों के अनुरूप पदों का होना आवश्यक है।

अध्यक्ष महोदया ने सदस्य कार्यालयों के समस्त कार्यालयों के प्रमुखों से राजभाषा संबंधी रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने एवं राजभाषा के मानकों के अनुरूप पद सृजित किए जाने पर बल दिया।

10. सदस्य कार्यालयों की वेबसाइट को संवर्धित व द्विभाषी बनाने पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने बताया कि राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक कार्यालय की वेबसाइट द्विभाषी होनी अनिवार्य है। उन्होंने समस्त

सदस्य कार्यालयों से अनुरोध किया कि कार्यालयों की वेबसाइट यथाशीघ्र द्विभाषी में तैयार करा ली जाए तथा उसे नियमित रूप से अद्यतनीकृत किया जाए ताकि राजभाषा नियमों का उल्लंघन न हो।

सदस्य कार्यालयों द्वारा उक्त पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की गई।

11. सदस्य कार्यालयों में कम्प्यूटरों पर यूनिकोड के प्रयोग पर चर्चा।

उक्त मद पर चर्चा करते हुए सदस्य-सचिव ने बताया कि वर्तमान में नई पीढ़ी के कम्प्यूटरों पर यूनिकोड में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध है। यदि किसी कारणवश किसी कार्यालय के कम्प्यूटरों पर यूनिकोड सुविधा उपलब्ध नहीं है तो उसे तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग से यूनिकोड समर्थित बनाये जाने की आवश्यकता है। कार्यालय यथावश्यकता अपने कार्मिकों हेतु यूनिकोड के प्रयोग पर केन्द्रित कार्यशालाओं का आयोजन भी कर सकते हैं।

सदस्य कार्यालयों ने उक्त पर अपनी सहमति व्यक्त की।

12. हिन्दी संगोष्ठी/कार्यशाला/अतिथि व्याख्यान/प्रतियोगिता इत्यादि के आयोजन पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने बताया कि राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समय-समय पर हिन्दी संगोष्ठी/कार्यशाला/अतिथि व्याख्यान/प्रतियोगिता इत्यादि के आयोजन कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने सदस्य कार्यालयों को अवगत कराया कि माननीया अध्यक्ष महोदया की अनुमति से उक्त आयोजनों हेतु विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञों/विद्वानों के अनुभवों का लाभ लिया जा सकता है।

माननीया अध्यक्ष महोदया ने समस्त सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों को आश्वस्त किया कि उक्त आयोजनों हेतु विश्वविद्यालय का सहयोग निरंतर मिलता रहेगा।

13. नराकास, सागर की पत्रिका के आगामी प्रकाशन (प्रवेशांक) पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने बताया के देश के विभिन्न नराकास द्वारा नियमित रूप से पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है। उन्होंने नराकास, सागर के सदस्यों हेतु पत्रिका के प्रकाशन का प्रस्ताव रखा।

माननीया अध्यक्ष महोदया ने प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि प्रकाशन कार्य हेतु नराकास, सागर के सदस्य कार्यालयों में विशेषज्ञों की एक उप समिति (संपादक मंडल) का गठन किया जाए ताकि पत्रिका प्रकाशन (प्रवेशांक) की प्रक्रिया को गति प्रदान की जा सके।

14. हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा 2025 (14 सितम्बर) के आयोजन पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने समिति को अवगत कराया कि राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार समस्त कार्यालयों में भाषा पर्व हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जाना आवश्यक है। कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान पाया गया कि कुछ कार्यालय किसी कारणवश विगत वर्ष हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन नहीं कर सके हैं।

माननीया अध्यक्ष महोदया ने समस्त कार्यालयों से अनुरोध किया कि समस्त कार्यालय वर्ष 2025 के आगामी हिन्दी दिवस का आयोजन गरिमयी ढंग से करें तथा उसकी रिपोर्ट नराकास सचिवालय को प्रेषित करें।

15. गत छमाही में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन सदस्य कार्यालयों का सम्मान।

सदस्य-सचिव ने सदन को अवगत कराया कि गत छमाही (01 अक्टूबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक) के दौरान अपने कार्यालय/उपक्रम/बैंक में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु तीन सदस्य कार्यालयों को (तीन श्रेणियों: बैंक, उपक्रम एवं कार्यालय- प्रत्येक से एक) को नराकास, सागर की ओर से 'उत्कृष्टता सम्मान' से पुरस्कृत किया जाना है। पुरस्कार चयन हेतु हिंदी पत्राचार की स्थिति, राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन, राजभाषा नियम 05 का अनुपालन, हिन्दी में मूल पत्राचार का प्रतिशत, हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन, राजभाषा पत्रिका का प्रकाशन एवं हिन्दी दिवस/पखवाड़े का आयोजन आदि को आधार बनाया गया। उन्होंने बताया कि माननीया अध्यक्ष महोदया की अनुमति से नराकास, सागर की ओर से राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन करने वाले सदस्य कार्यालयों को प्रत्येक छमाही बैठक के दौरान 'उत्कृष्टता सम्मान' से पुरस्कृत किया जायेगा।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर ने माननीया अध्यक्ष महोदया, विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा एवं सदस्य-सचिव की सहमति से निम्नलिखित कार्यालयों को 'उत्कृष्टता सम्मान' से पुरस्कृत किया गया-

1. **बैंक श्रेणी** – सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सागर

2. **उपक्रम श्रेणी** – पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि., बीना

3. **कार्यालय श्रेणी – पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 01, छावनी, सागर।**

समस्त सदस्यों ने विजेता कार्यालयों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

16. उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संबोधन, प्रेरणा एवं समीक्षा।

नराकास बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। माननीया अध्यक्ष महोदया का आभार व्यक्त करते हुए श्री मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वी नेतृत्व में नराकास, सागर नि:संदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी। उन्होंने समस्त कार्यालयों से राजभाषा नियमों एवं राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के शत-प्रतिशतन अनुपालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

7. माननीया अध्यक्ष महोदया का उद्बोधन।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण हेतु स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है। हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे यह उतनी ही सफल होगी। राजभाषा की समृद्धि कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिन्दी में ही हो। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सदस्य कार्यालयों द्वारा समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

माननीया कुलपति महोदया ने समस्त कार्यालय प्रमुखों से राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का आवाहन किया ताकि संसदीय राजभाषा समिति एवं अन्य संस्थानों द्वारा किए जाने वाले राजभाषा संबंधी निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़े। उन्होंने सदस्य कार्यालयों से विश्वसनीय आंकड़ो से

तैयार की गयी रिपोर्ट को यथा-समय प्रेषित करने, बैठकों में कार्यालय प्रमुखों की उपस्थिति अनिवार्यतः सुनिश्चित करने, तिमाही प्रगति रिपोर्ट को नियमानुसार राजभाषा विभाग की सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन प्रेषित करने तथा उसकी प्रतिलिपि क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, भोपाल एवं नराकास सचिवालय, सागर को प्रेषित करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि कम कार्मिकों वाले सदस्य कार्यालय राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन एवं कार्यशालाओं/प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु आपस में समन्वय स्थापित कर अन्य सदस्य कार्यालयों का भी सहयोग ले सकते हैं।

माननीया अध्यक्ष महोदया ने राजभाषा कार्यान्वयन पर सार्थक चर्चा एवं विचार-विमर्श हेतु उपस्थित समस्त सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों का आभार व्यक्त किया।

18. सदस्य-सचिव महोदय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन।

बैठक के अंत में सदस्य–सचिव संतोष सोहगौरा ने समिति की माननीया अध्यक्ष प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, समस्त सम्मानित सदस्यों, कार्यालय प्रमुखों एवं राजभाषा अधिकारियों का आभार ज्ञापन किया। उन्होंने बताया कि नराकास, सागर की आगामी बैठक नवम्बर माह में आयोजित की जायेगी।

इस प्रकार सौहार्दपूर्ण वातावरण में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक सम्पन्न हुई।

उपस्थित सदस्य कार्यालय

उक्त बैठक में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब एवं सिंध बैंक, केनरा बैंक, पावरग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि., भारतीय खाद्य निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, केन्द्रीय संचार ब्यूरो, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, दि न्यू इंडिया इंश्योरेंश कं. लि., ओरियंटल इंश्योरेंश कं.लि., भारतीय जीवन बीमा निगम, आकाशवाणी, कार्यालय अधीक्षक, डाकघर, अधिशासी, छावनी परिषद, नगर के समस्त केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, मौसम विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं राष्ट्रीय सांख्यकीय कार्यालय सहित 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उपस्थिति पत्रक

बैठक में अधोलिखित कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं हिन्दी अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

क्रमांक	उपस्थित सदस्य कार्यालय का नाम
1.	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
2.	पंजाब नैशनल बैंक
3.	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
4.	भारतीय स्टेट बैंक
5.	बैंक ऑफ इंडिया
6.	यूको बैंक
7.	इंडियन बैंक
8.	इंडियन ओवरसीज बैंक
9.	बैंक ऑफ बड़ौदा
10.	पंजाब एंड सिंध बैंक
11.	बैंक ऑफ महाराष्ट्र
12.	केनरा बैंक
13.	आकाशवाणी, सागर
14.	पॉवर ग्रिड का.ऑफ इं.लि.
15.	कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
16.	भारतीय खाद्य निगम
17.	भारत संचार निगम लिमिटेड
18.	केन्द्रीय विद्यालय क्र. 01
19.	मौसम विज्ञान केंद्र
20.	केन्द्रीय संचार ब्यूरो (पूर्व नाम क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय), सागर
21.	डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

22.	राष्ट्रीय सांखकीय कार्यालय मकरोनिया सागर
23.	दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कं. लि.
24.	ओरियंटल इंश्योरेश कं. लि.
25.	नेशनल इंश्योरेंस कं. लि.
26.	यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेस कं. लि.
27.	भारतीय जीवन बीमा निगम
28.	कार्यालय अधीक्षक, डाकघर
29.	अधिशासी छावनी परिषद
30.	कैंद्रीय विद्यालय 4
31.	जवाहर नवोदय विद्यालय, खुरई
32.	भारत पेट्रोलिय कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बीना
33.	केन्द्रीय विद्यालय, ढाना
34.	केन्द्रीय विद्यालय 02
35.	केन्द्रीय विद्यालय 03
36.	राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सागर
अनुपस्थित कार्यालयों का नाम	
37.	मध्यांचल ग्रामीण बैंक प्रधान कार्यालय
38.	संयुक्त आयकर आयुक्त परिक्षेत्र
39.	रेलवे स्टेशन
40.	केन्द्रीय माल एवं सेवाकर प्रभाग, सागर
41.	वेतन लेखा कार्यालय, महार रेजीमेंट सेंटर, सागर
42.	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड सागर डिपो, सागर
43.	कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर
44.	आईबी, सागर

प्रथम छमाही बैठक
(वर्ष 2025-26)

राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय
भारत सरकार

तिथि : 18 जून, 2025 (बुधवार)
समय : पूर्वाह्न 11.00 बजे से
स्थान : रंगनाथन सभागार, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

कार्यसूची

वंदन, अभिनंदन एवं परिचय

1. शुभारंभ एवं माल्यार्पण।
2. माननीया अध्यक्ष एवं कुलपति महोदया **प्रो. नीलिमा गुप्ता** का स्वागत।
3. विशिष्ट अतिथि **श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा**, उप निदेशक (राजभाषा) का स्वागत।
4. सम्माननीय सदस्य कार्यालयाध्यक्षों एवं नए सदस्य कार्यालयाध्यक्षों का स्वागत एवं परिचय।

सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा एवं विचार-विमर्श

5. राजभाषा लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन।
6. सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा।
7. राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 पर चर्चा।
8. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा(3) के अनुपालन की स्थिति पर चर्चा।
9. सदस्य कार्यालयों में हिन्दी पदों की स्थिति पर चर्चा।
10. सदस्य कार्यालयों की वेबसाइट को संवर्धित व द्विभाषी बनाने पर चर्चा।
11. सदस्य कार्यालयों में कम्प्यूटरों पर यूनिकोड के प्रयोग पर चर्चा।
12. हिन्दी संगोष्ठी/कार्यशाला/अतिथि व्याख्यान/प्रतियोगिताओं के आगामी आयोजन पर चर्चा।
13. नराकास, सागर की पत्रिका के आगामी प्रकाशन (प्रवेशांक) पर चर्चा।
14. हिन्दी दिवस/पखवाड़ा 2025 (14 सितम्बर) के आयोजन पर चर्चा।

प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं आभार

15. गत छमाही में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन सदस्य कार्यालयों का सम्मान।
16. उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संबोधन, प्रेरणा एवं समीक्षा।
17. माननीया अध्यक्ष महोदया का उद्बोधन एवं आशीर्वचन।
18. सदस्य-सचिव श्री संतोष सोहगौरा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन।

राजभाषा

"हिन्दी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।" ▪ महर्षि स्वामी दयानन्द

फोटो गैलरी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
हिल कैम्पस
HILL CAMPUS
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)
TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
प्रथम छमाही बैठक 2025-26

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
प्रथम छमाही बैठक 2025-26
18 जून, 2025, बुधवार
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
(नराकास), सागर (म.प्र.)
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
प्रथम छमाही बैठक 2025-26

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
प्रथम छमाही बैठक 2025-26
18 जून, 2025, बुधवार

18 जून, 2025, बुधवार

राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)

18 जून, 2025, बुधवार

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालय **पॉवरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, बीना** ने विगत छमाही (**01 अक्टूबर 2024 से 31 मार्च 2025**) के दौरान अपने कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में **उपक्रम** श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

हम आपके उपक्रम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा
उप निदेशक (कार्यान्वयन)
क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

संतोष सोहगौरा
सदस्य सचिव, नराकास, सागर (म.प्र.)
संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.)
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

प्रो. नीलिमा गुप्ता
अध्यक्ष, नराकास, सागर एवं
माननीया कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

राजभाषा विभाग
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE
18 जून, 2025, बुधवार

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
18 जून, 2025, बुधवार

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC) SAGAR (M.P.)
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
प्रथम छमाही बैठक 2025-26
18 जून, 2025, बुधवार
महात्मा गांधी

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सा
प्रथम छमाही बैठक 202

आरक्षित
आरक्षित
आरक्षित

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
2025-26

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
गृह मंत्रालय, भारत सरकार
MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
प्रथम
बैठक 2025-26
बुधवार

OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
राजभाषा विभाग
भारत सरकार
HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA
राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
प्रथम छमाही बैठक 2025-26
18 जून, 2025, बुधवार
रंगनाथन सभागार

आरक्षित
आरक्षित

समाचार पत्रों की कतरनें

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आज

सागर, देशबन्धु। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार नगर स्थित केन्द्रीय बैंकों, उपक्रमों, कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है। इस तारतम्य में नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक 18 जून को पूर्वाह्न 11 बजे से डॉ. हरीसिंह गौर विवि कुलपति एवं नराकास, सागर की अध्यक्ष प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में विवि के रंगनाथन सभागार में आयोजित की जा रही है। उक्त बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक कार्यान्वयन, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय मध्य, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहेंगे। समिति के सदस्य सचिव एवं विवि के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने नराकास, सागर के समस्त केन्द्रीय कार्यालयों, बैंकों, उपक्रमों के सम्माननीय प्रमुखों से बैठक में अपनी सहभागिता अनिवार्यतः सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है ताकि राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगामी प्रगति को बढ़ावा देने हेतु विचार विमर्श किया जा सके।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति सागर की बैठक आज

आचरण संवाददाता

सागर। सचिवालय, नराकास, सागर। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार नगर स्थित केन्द्रीय बैंकों/उपक्रमों/कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है। इस तारतम्य में सागर नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक 18 जून, 2025 को पूर्वाह्न 11 बजे से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति एवं नराकास, सागर की अध्यक्ष प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के रंगनाथन सभागार में आयोजित की जा रही है। उक्त बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहेंगे।

समिति के सदस्य-सचिव एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने नराकास, सागर के समस्त केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के सम्माननीय प्रमुखों से बैठक में अपनी सहभागिता अनिवार्यत सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है ताकि राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगामी प्रगति को बढ़ावा देने हेतु विचार-विमर्श किया जा सके।

दैनिक भास्कर

सागर 25-06-2025

राजभाषा की समृद्धि के लिए आवश्यक है कि प्रशासनिक व्यवहार हिंदी में ही हो: कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

राष्ट्र निर्माण के लिए स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है। हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे यह उतनी ही सबल होगी। राजभाषा की समृद्धि के लिए आवश्यक है कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिंदी में ही हो। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक की अध्यक्षता कर रहीं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सदस्य कार्यालयों द्वारा समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उप निदेशक कार्यान्वयन, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) नरेंद्र सिंह मेहरा ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया। उनके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए मेहरा ने कहा कि आपके नेतृत्व में नराकास, सागर निःसंदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनाएगी। वर्तमान में देश में 537 नराकास क्रियाशील हैं।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया।

राजभाषा के कार्यक्रम करना सभी कार्यालयों का दायित्व : सोहगौरा - नराकास के सदस्य सचिव, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने कहा राजभाषा विभाग द्वारा जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों, बैंकों, उपक्रमों का दायित्व है। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। बैठक के दौरान नराकास, सागर की राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन पर भी सहमति बनी। इसके अलावा सदस्य कार्यालयों के बीच राजभाषा संबंधी प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा हिंदी पखवाड़े का आयोजन गरिमामयी ढंग से किए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सदस्य कार्यालयों के सुझावों पर भी आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक में 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी मौजूद थे।

उत्कृष्टता सम्मान से पुरस्कृत हुए संस्थान

इस अवसर पर पिछली छमाही के दौरान अपने कार्यालय में राजभाषा के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. एवं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 को कुलपति द्वारा उत्कृष्टता सम्मान से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किया गया जो वर्तमान में नराकास, सागर का सचिवालय भी है। संचालन हिंदी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के विनोद रजक का रहा।

समन्वित प्रयासों से राजभाषा कार्यान्वयन के लक्ष्यों की पूर्ति संभव

नवदुनिया

सागर : राष्ट्र निर्माण हेतु स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है। हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे यह उतनी ही सबल होगी। राजभाषा की समृद्धि के लिए आवश्यक है कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिन्दी में ही हो। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया। राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारी जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों का दायित्व है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति सागर की प्रथम छमाही बैठक संपन्न

समन्वित प्रयासों से राजभाषा कार्यान्वयन के लक्ष्यों की पूर्ति संभव: प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर, देशबन्धु। राष्ट्र निर्माण हेतु स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है। हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे यह उतनी ही सबल होगी। राजभाषा की समृद्धि के लिये आवश्यक है कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिन्दी में ही हो। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति नराकास की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास, सागर की अध्यक्ष एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिये सदस्य कार्यालयों द्वारा समन्वित प्रयास किये जाने पर बल दिया। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक कार्यान्वयन, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय मध्य, राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिये। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिये भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुये श्री मेहरा ने कहा कि आपके नेतृत्व में नराकास, सागर नि:संदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी। विदित हो कि वर्तमान में देश में 537 नराकास क्रियाशील हैं। इस अवसर पर नराकास के सदस्य सचिव एवं डॉ. हरीसिंह गौर विवि के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुये कहा कि राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारी जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों, बैंकों, उपक्रमों का दायित्व है। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुये श्री सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। बैठक के दौरान नराकास, सागर की राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन पर भी सहमति बनी। इसके अलावा सदस्य कार्यालयों के बीच राजभाषा संबंधी प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा हिन्दी पखवाड़े का आयोजन गरिमामयी ढंग से किये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सदस्य कार्यालयों के सुझावों पर निर्णय लिये गये। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों, बैंकों, उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता का दायित्व हाल ही में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को सौंपा गया है। उक्त बैठक में सागर एवं बीना स्थित सभी बैंक, पावरग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि.,भारतीय खाद्य निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, केन्द्रीय संचार ब्यूरो, सभी इंश्योरेंस कंपनी, आकाशवाणी, कार्यालय अधीक्षक, डाकघर, अधिशासी, छावनी परिषद, नगर के समस्त केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, मौसम विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं राष्ट्रीय सांख्यकीय कार्यालय सहित 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहें। इस अवसर पर विगत छमाही के दौरान अपने कार्यालय में राजभाषा के उत्कृष्ट क्रियान्वयन हेतु सेन्ट्रल बैंक ऑफइंडिया, पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफइंडिया लि. एवं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 01 को अध्यक्ष द्वारा उत्कृष्टता सम्मान से पुरस्कृत किया गया। उक्त कार्यक्रम का समन्वयन विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किया गया जो कि वर्तमान में नरकास, सागर का सचिवालय भी है। बैठक का संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की प्रथम छमाही बैठक सम्पन्न

समन्वित प्रयासों से राजभाषा कार्यान्वयन के लक्ष्यों की पूर्ति संभव : प्रो. नीलिमा गुप्ता

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। रंगनाथन सभागार। राष्ट्र निर्माण हेतु स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है। हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे यह उतनी ही सबल होगी। राजभाषा की समृद्धि के लिए आवश्यक है कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिन्दी में ही हो। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास, सागर की अध्यक्ष एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सदस्य कार्यालयों द्वारा समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। माननीया अध्यक्ष महोदया का आभार व्यक्त करते हुए श्री मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वी नेतृत्व में नराकास, सागर निःसंदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी। विदित हो कि वर्तमान में देश में 537 नराकास क्रियाशील हैं। इस अवसर पर नराकास के सदस्य-सचिव एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारी जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों का दायित्व है। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए श्री सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। बैठक के दौरान नराकास, सागर की राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन पर भी सहमति बनी। इसके अलावा सदस्य कार्यालयों के बीच राजभाषा संबंधी प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा हिन्दी पखवाड़े का आयोजन गरिमामयी ढंग से किए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सदस्य कार्यालयों के सुझावों पर भी आवश्यक निर्णय लिए गए।ध्यातव्य है कि नगर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु एक साझा मंच के रूप में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। उक्त क्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों/ बैंकों/उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता का दायित्व हाल ही में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को सौंपा गया है। उक्त बैठक में सागर एवं बीना स्थित भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब एवं सिंध बैंक, केनरा बैंक, पावरग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि., भारतीय खाद्य निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, केन्द्रीय संचार ब्यूरो, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, दि न्यू इंडिया इंश्योरेंश कं. लि., ओरियंटल इंश्योरेंश कं.लि., भारतीय जीवन बीमा निगम, आकाशवाणी, कार्यालय अधीक्षक, डाकघर, अधिशासी, छावनी परिषद, नगर के समस्त केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, मौसम विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं राष्ट्रीय सांख्यकीय कार्यालय सहित 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर विगत छमाही के दौरान अपने कार्यालय में राजभाषा के उत्कृष्ट क्रियान्वयन हेतु सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. एवं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01 को माननीया अध्यक्ष महोदया द्वारा 'उत्कृष्टता सम्मान' से पुरस्कृत किया गया। उक्त कार्यक्रम का समन्वयन विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किया गया जो कि वर्तमान में नरकास, सागर का सचिवालय भी है। बैठक का संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की हुई पहली छमाही बैठक

हम अपनी मातृभाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे, यह उतनी ही सबल होगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रथम छमाही बैठक रंगनाथन सभागार में आयोजित हुई। इस मौके पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है। हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे, यह उतनी ही सबल होगी। राजभाषा की समृद्धि के लिए आवश्यक है कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिन्दी में ही हो। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सदस्य कार्यालयों द्वारा समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नरेंद्र सिंह मेहरा ने सदस्यों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया।

इस अवसर पर संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। बैठक के दौरान सागर की राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन पर भी सहमति बनी। इसके अलावा सदस्य कार्यालयों के बीच राजभाषा संबंधी प्रतियोगिताओं के आयोजन व हिन्दी पखवाड़े का आयोजन गरिमामयी ढंग से किए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। बैठक में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब बैंक आदि के अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की प्रथम छमाही बैठक सम्पन्न

आचरण संवाददाता

सागर। राष्ट्र निर्माण हेतु स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है। हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे यह उतनी ही सबल होगी। राजभाषा की समृद्धि के लिए आवश्यक है कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिन्दी में ही हो। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास, सागर की अध्यक्ष एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सदस्य कार्यालयों द्वारा समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। माननीया अध्यक्ष महोदया का आभार व्यक्त करते हुए मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वी नेतृत्व में नराकास, सागर निस्संदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी। विदित हो कि वर्तमान में देश में 537 नराकास क्रियाशील हैं। इस अवसर पर नराकास के सदस्य-सचिव एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों का दायित्व है। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। बैठक के दौरान नराकास, सागर की राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन पर भी सहमति बनी। इसके अलावा सदस्य कार्यालयों के बीच राजभाषा संबंधी प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा हिन्दी पखवाड़े का आयोजन गरिमामयी ढ़ंग से किए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सदस्य कार्यालयों के सुझावों पर भी आवश्यक निर्णय लिए गए। उक्त बैठक में सागर एवं बीना स्थित भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब एवं सिंध बैंक, केनरा बैंक, पावरग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि., भारतीय खाद्य निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, केन्द्रीय संचार ब्यूरो, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, दि न्यु इंडिया इंश्योरेंश कं. लि., ओरियंटल इंश्योरेंश कं.लि., भारतीय जीवन बीमा निगम, आकाशवाणी, कार्यालय अधीक्षक, डाकघर, अधिशासी, छावनी परिषद, नगर के समस्त केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, मौसम विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं राष्ट्रीय सांख्यकीय कार्यालय सहित 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की प्रथम छमाही बैठक सम्पन्न

समन्वित प्रयासों से राजभाषा कार्यान्वयन के लक्ष्यों की पूर्ति संभव : प्रो. नीलिमा गुप्ता

सत्ता सुधार ■ सागर

राष्ट्र निर्माण हेतु स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है।हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे यह उतनी ही सबल होगी। राजभाषा की समृद्धि के लिए आवश्यक है कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिन्दी में ही हो। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास, सागर की अध्यक्ष एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सदस्य कार्यालयों द्वारा समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया।बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्सा?हन की नीति है। माननीया अध्यक्ष महोदया का आभार व्यक्त करते हुए श्री मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वी नेतृत्व में नराकास, सागर निस्संदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी। विदित हो कि वर्तमान में देश में 537 नराकास क्रियाशील है।इस अवसर पर नराकास के सदस्य-सचिव एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारी जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों का दायित्व है। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। बैठक के दौरान नराकास, सागर की राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन पर भी सहमति बनी। इसके अलावा सदस्य कार्यालयों के बीच राजभाषा संबंधी प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा हिन्दी पखवाड़े का आयोजन गरिमामयी ढंग से किए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सदस्य कार्यालयों के सुझावों पर भी आवश्यक निर्णय लिए गए।

ध्यातव्य है कि नगर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु एक साझा मंच के रूप में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। उक्त क्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों/ बैंकों/उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता का दायित्व हाल ही में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को सौंपा गया है।उक्त बैठक में सागर एवं बीना स्थित भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब एवं सिंध बैंक, केनरा बैंक, पावरग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि., भारतीय खाद्य निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, केन्द्रीय संचार ब्यूरो, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, दि न्यू इंडिया इंश्योरेंश कं. लि., ओरियंटल इंश्योरेंश कं.लि., भारतीय जीवन बीमा निगम, आकाशवाणी, कार्यालय अधीक्षक, डाकघर, अधिशासी, छावनी परिषद, नगर के समस्त केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, मौसम विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं राष्ट्रीय सांख्यकीय कार्यालय सहित 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहे।इस अवसर पर विगत छमाही के दौरान अपने कार्यालय में राजभाषा के उत्कृष्ट क्रियान्वयन हेतु सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. एवं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01 को माननीया अध्यक्ष द्वारा उत्कृष्टता सम्मान से पुरस्कृत किया गया।

नगर राज भाषा समिति की बैठक

नवभारत न्यूज

सागर 23 जून. राष्ट्र निर्माण हेतु स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है, हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे यह उतनी ही सबल होगी. राजभाषा की समृद्धि के लिए आवश्यक है कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिन्दी में ही हो.

यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास, अध्यक्ष एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही. बैठक में विशिष्ट अतिथि नरेन्द्र सिंह मेहरा ने उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए. इस अवसर पर संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की. बैठक के दौरान नराकास, सागर की राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन पर भी सहमति बनी. इसके अलावा सदस्य कार्यालयों के बीच राजभाषा संबंधी प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा हिन्दी पखवाड़े का आयोजन गरिमामयी ढंग से किए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया.

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति का पत्राचार

सचिवालय
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

संतोष सोहगौरा
सदस्य–सचिव
संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

ई–मेल : tolic.sagar@dhsgsu.edu.in
दूरभाष : 07582-297118
कार्यालय कोड : 247

क्र.: नराकास, सागर / 2025 / 002

दिनांक : 16 मई, 2025

।। कार्यालय ज्ञापन।।

विषय : विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर के अध्यक्ष के रूप में मनोनयन बावत्।

आदरणीय महोदय/महोदया,

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। इस क्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार सागर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों/ बैंकों/उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर का भी गठन किया गया है। उक्त समिति में आप सभी कार्यालयाध्यक्ष सम्मानित सदस्य हैं।

ध्यातव्य है कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता का महत्वपूर्ण दायित्व देश के ख्यातिनाम केन्द्रीय विश्वविद्यालय डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को सौंपा गया है। साथ ही नराकास, सागर के कार्यकलापों के सुचारू संचालन हेतु नराकास, सागर का सचिवालय भी डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में स्थापित किया गया है।

जैसा कि आपको विदित होगा कि नराकास का गठन नगर स्थित कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि द्वारा राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन एवं इसमें आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जाता है। और यह सब हम सभी के समन्वित प्रयासों से सागर नगर स्थित समस्त केन्द्रीय कार्यालयों में राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन हो सकेगा।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि राजभाषा हिन्दी के प्रति आपके प्रेम एवं समर्पण से हम सब मिलकर सागर नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के राष्ट्रीय फलक पर प्रतिष्ठित करायेंगे।

सहयोग की अपेक्षा के साथ,
शुभकामनाओं सहित।

भवदीय,

(संतोष सोहगौरा)
सदस्य-सचिव, नराकास, सागर एवं
संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र)
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर (म.प्र.)

प्रति,
समस्त सम्माननीय कार्यालयाध्यक्ष
सदस्य कार्यालय
नराकास, सागर (म.प्र.)

हिंदी में पत्राचार हो, हिंदी में हर व्यवहार हो, बोलचाल में हिंदी ही अभिव्यक्ति का आधार हो।'

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय/A Central University)

डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय
कुलसचिव (प्र.)

दूरभाष : 07582 –265228
ई–मेल : registrar@dhsgsu.edu.in

क्र. : नराकास, सागर / 2025 /001

दिनांक : 16 मई, 2025

।। अधिसूचना ।।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के तारतम्य में तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.) के अध्यक्ष के रूप में विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर के कार्यकलापों के संचालन हेतु श्री संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी को उनकी सहमति से आगामी आदेश तक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.) का सदस्य-सचिव नियुक्त किया जाता है।

नराकास, सागर का सचिवालय डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय रहेगा।

स.प्र.उपाध्याय 16/5/2025
(डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय)
कुलसचिव (प्र.)

प्रतिलिपि- सूचनार्थ

1. माननीया प्रो. नीलिमा गुप्ता, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र)।
2. श्री संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी।
3. श्री अनिल कुमार, उप सचिव (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
4. श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल (म.प्र.)।
5. श्री अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
6. श्री मंथा श्रीनिवासु, संयुक्त सचिव (राजभाषा), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
7. श्री प्रवीण कुमार सोनी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, निवर्तमान अध्यक्ष, नराकास, सागर – सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु।
8. श्री आनंद कुमार गोयल, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, निवर्तमान सदस्य–सचिव, नराकास, सागर – सचिवालय से संबंधित कागजात शीघ्र उपलब्ध करवाने के अनुरोध के साथ।
9. समस्त कार्यालयाध्यक्ष, सदस्य कार्यालय, नराकास सागर।
10. प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर – विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
11. प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)- प्रचार प्रसार हेतु।
12. कुलसचिव के निजी सहायक, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।
13. कुलपति जी के निज सचिव, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) ।
14. गार्ड फाइल।

भारत सरकार / Govt. of India
गृह मंत्रालय / Ministry of Home Affairs,
राजभाषा विभाग / Department of Official Language
क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल
Regional Implementation Office (Central), Bhopal
52-ए, निर्माण सदन, कमरा नं. 206, द्वितीय तल, अरेरा हिल्स, भोपाल - 462 011 (मध्य प्रदेश)
52-A, Nirman Sadan, Room No.206, Second Floor, Arera Hills, Bhopal – 462 011 (Madhya Pradesh)
दूरभाष / Telephone 0755 - 298 5862 ईमेल / Email – riocentralbhopal@gmail.com

14/04/25 / क्षे.का.का.भोपाल / नराकास / सागर / 247 / 457 दिनांक : 20 मई, 2025

सेवा में,

माननीय कुलपति महोदया,
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
विश्वविद्यालय मार्ग, सागर - 470 003 (मध्यप्रदेश)

विषय :- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन ।

आदरणीय महोदया,

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा आपकी **नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति** की बैठक का कैलेण्डर **माह "जून / नवम्बर"** निर्धारित किया गया है ।

आपकी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की **वर्ष 2025-26** की **प्रथम बैठक "जून - 2025"** में प्रस्तावित है । अनुरोध है कि संबंधित बैठक की तिथि निर्धारित कर सूचना लिखित रूप में / ई मेल के माध्यम से **इस कार्यालय** सहित सभी सदस्य कार्यालयों को बैठक की तिथि से **कम से कम 15 दिन पूर्व** भिजवाना सुनिश्चित करें । उल्लेखनीय है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें अनिवार्य रूप से आयोजित करवाने हेतु **महामहिम राष्ट्रपति महोदया** एवं **संसदीय राजभाषा समिति**, नई दिल्ली के स्पष्ट निर्देश हैं, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित कैलेण्डर माह के अनुसार बैठक आयोजित करवाई जाएं।

अत: अनुरोध है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की बैठक **"जून - 2025"** में आयोजित करवाने की कृपा करें। और बैठक की **समाप्ति के 15 दिनों के अंदर** कार्यसूची, कार्यवृत्त एवं **उपस्थित / अनुपस्थित सदस्य कार्यालयों** की सूची राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से अपलोड करवाया जाएं।

भ व दी य,
20/5/2025

सागर

(नरेन्द्र सिंह मेहरा)
उप निदेशक (कार्यान्वयन)
एवं कार्यालयाध्यक्ष
मोबाईल नं. 9911216373

भारत सरकार / Govt. of India

गृह मंत्रालय / Ministry of Home Affairs,

राजभाषा विभाग / Department of Official Language

क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल

Regional Implementation Office (Central), Bhopal

52-ए, निर्माण सदन, कमरा नं. 206, द्वितीय तल, अरेरा हिल्स, भोपाल - 462 011 (मध्य प्रदेश)

52-A, Nirman Sadan, Room No.206, Second Floor, Arera Hills, Bhopal – 462 011 (Madhya Pradesh)

दूरभाष / Telephone 0755 - 298 5862 ईमेल / Email – riocentralbhopal@gmail.com

---

14/04/25 / क्षे.का.का.भोपाल / नराकास / सागर / 247 / म.क्षे. / 491 दिनांक : 30 मई, 2025

सेवा में,

समस्त सम्माननीय कार्यालय प्रमुख,
सदस्य कार्यालय,
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (मध्यप्रदेश)

विषय : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की वर्ष 2025-26 की दिनांक 12 जून, 2025 को 11:00 बजे आयोजित होने वाली बैठक के लिए आमंत्रण।

महोदय/महोदया,

सहर्ष सूचित किया जाता है कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की अध्यक्ष एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की माननीया कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में दिनांक 12 जून 2025 (गुरुवार) को 11:00 बजे आयोजित होगी। उक्त बैठक में अधोहस्ताक्षरी राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहेंगे। बैठक के संबंध में डॉ. संतोष सोहगौरा, सदस्य सचिव, नराकास सागर एवं संयुक्त कुलसचिव सह प्रभारी राजभाषा अधिकारी, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के टेलीफोन नं. 0758 229 7118, मोबाईल नं. 9479398600 तथा ईमेल : tolic.sagar@dhsgsu.edu.in पर संपर्क किया जा सकता है। बैठक स्थल का विवरण निम्न प्रकार है :-

बैठक की तिथि : 12 जून, 2025 (गुरुवार), समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे से
बैठक स्थल : रंगनाथन सभागार
(जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय विस्तारित भवन)
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

अतः समस्त कार्यालय प्रमुखों/सदस्यगणों से अनुरोध है कि उक्त बैठक में अपने कार्यालय की विगत छमाही (01 अक्टूबर 2024 से 31 मार्च 2025) की हिंदी प्रगति रिपोर्ट संलग्न प्रपत्र में भरकर तत्काल नराकास सचिवालय को भिजवाई जाए तथा नराकास की बैठक में कार्यालय प्रमुखों की उपस्थिति भी "अनिवार्य" रूप से सुनिश्चित की जाए।

भ व दी य,

30/5/2025

(नरेन्द्र सिंह मेहरा)
उप निदेशक (कार्यान्वयन) एवं कार्यालयाध्यक्ष
दूरभाष : 9911216373

प्रतिलिपि : डॉ. संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर, विश्वविद्यालय मार्ग, सागर (मध्यप्रदेश) को सादर सूचनार्थ प्रेषित।

सचिवालय
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

सत्यमेव जयते

संतोष सोहगौरा
सदस्य–सचिव
संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

ई–मेल : tolic.sagar@dhsgsu.edu.in
दूरभाष : 07582-297118
नराकास कोड : 247
मोबाइल नं. : 9479398600

क्र.: नराकास, सागर / 2025 / छ.बै. / 10 दिनांक : 03 जून, 2025

।। आवश्यक सूचना ।।

प्रतिष्ठा में,

समस्त सम्माननीय कार्यालय प्रमुख
सदस्य कार्यालय
नराकास, सागर (म.प्र.)

विषय : नराकास, सागर की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक की तिथि परिवर्तन के संबंध में।

संदर्भ : क्र. नराकास, सागर/2025/छ.बै/06 दिनांक 28 मई, 2025

महोदय/महोदया,

उपरोक्त संदर्भित विषयान्तर्गत लेख है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की दिनांक 12 जून, 2025 को प्रस्तावित वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित की जाती है।

अब उक्त बैठक दिनांक 18 जून, 2025 (बुधवार) को पूर्वाह्न 11.00 बजे आयोजित की जायेगी।

सहयोग की अपेक्षा के साथ।

सादर,

भवदीय,

(संतोष सोहगौरा) 3/6/25

प्रतिलिपि- सूचनार्थ

1. माननीया अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।
2. श्री अनिल कुमार, उप सचिव (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल (म.प्र.)।
4. श्री अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
5. संयुक्त सचिव (राजभाषा), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
6. समस्त कार्यालयाध्यक्ष, सदस्य कार्यालय, नराकास, सागर।
7. पुस्तकालयाध्यक्ष, जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय - कृपया रंगनाथन सभागार में बैठक आयोजन संबंधी यथोचित व्यवस्था सुनिश्चित करवाने के अनुरोध के साथ।
8. प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर – कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
9. प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)- कृपया प्रचार प्रसार हेतु।
10. प्रभारी अधिकारी, यंत्री विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) – बैठक आयोजन संबंधी यथोचित व्यवस्था सुनिश्चित करवाने के अनुरोध के साथ।
11. कुलसचिव के निजी सहायक, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।
12. माननीया कुलपति जी के निज सचिव, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) ।
13. गार्ड फाइल।

'हिंदी में पत्राचार हो, हिंदी में हर व्यवहार हो, बोलचाल में हिंदी ही अभिव्यक्ति का आधार हो।'

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का सचिवालय

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)